# Department of Hindi

Scheme of Examination and Syllabus forUnder Graduate Programme

## Under Multiple Entry and Exit, Internship andCBCS-LOCF as per NEP-2020

### w.e.f. session 2024-25 (in phased manner)

Subject: Hindi Elective

## Guru Jambheshwar University of Science &TechnologyHisar-125001, Haryana

## (A+ NAAC Accredited State Govt. University)

# Guru Jambheshwar University of Science and Technology
# Hisar-125001, Haryana
# ('A+' NAAC Accredited State Govt. University)

Scheme of Examination & Syllabus for affiliated Degree Colleges for UG Programme According to National Education Policy-2020

## Subject: Hindi Elective

**FIRST YEAR**

| SEMESTER-I | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Type of Course** | **Course Code** | **Nomenclature of Paper/Course** | **Credits** | **Contact Hours** | **Internal Marks** | **External Marks** | **Total Marks** | **Duration of Exam (Hrs)** |
| Discipline Specific Course | C24HIE101T | हिंदी का आधुनिक साहित्यः कवि एवं नाट्य अवलोकन | 4 | 4 | 30 | 70 | 100 | 3 |
| SEMESTER-II | | | | | | | | |
| **Type of Course** | **Course Code** | Nomenclature of Paper/Course | **Credits** | **Contact Hours** | **Internal Marks** | **External Marks** | **Total Marks** | **Duration of Exam (Hrs)** |
| Discipline Specific Course | C24HIE201T | हिंदी साहित्य का भक्तिकालः काव्य एवं काल अवलोकन | 4 | 4 | 30 | 70 | 100 | 3 |

**Hindi**

# हिंदी का आधुनिक साहित्यः कवि एवं नाट्य अवलोकन (प्रथम सेमेस्टर)

**Discipline Specific Course (DSC)**

**Course Code: C24HIE101T** | **External Marks : 70**
**60 Hrs (4 Hrs/Week)** | **Internal Marks : 30**
**Credit : 4** | **Total Marks: 100**
**Exam Time: 3 Hrs**

**Note**: The maximum time duration for attempting the paper will be of 3 hours. The examiner is required to set nine questions in all. The first question will be compulsory consisting of seven short questions covering the entire syllabus consisting of 2 marks each. In addition to that eight more questions will be set, two questions from each unit. The students shall be required to attempt five questions in all selecting one question from each unit in addition to compulsory Question No. 1. All questions shall carry equal marks.

## पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. हिन्दी आधुनिक साहित्य एवं नाटकों की जानकारी देना।
2. प्रमुख साहित्यकार और उनके नाट्यकृतियों की चर्चा से साहित्यिक समझ उत्पन्न करना।

## कार्यक्रम प्रतिफल (Program Outcomes):

1. साहित्य के विश्लेषण की पद्धति का ज्ञान होगा।
2. आधुनिक साहित्य एवं नाटकों का ज्ञान होगा।
3. प्रमुख लेखकों के नाटकों का परिचय प्राप्त होगा।
4. आधुनिक साहित्य के माध्यम से नये साहित्य को समझ पाएंगे।

## विषय वस्तुः

### इकाई – 1

कुरुक्षेत्र (षष्ठ सर्ग– व्याख्या) रामधारी सिंह दिनकर

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

कुरुक्षेत्र की मूल संवेदना

कुरुक्षेत्र की पात्र योजना

कुरुक्षेत्र का काव्य रूप

कुरुक्षेत्र के नामकरण की सार्थकता

दिनकर की काव्य–कला

### इकाई – 2

हानूश (नाटक): भीष्म साहनी

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

हानूश नाटक का उद्देश्य

हानूश नाटक की पात्र योजना

नाटक के नामकरण की सार्थकता

रंगमंच की दृष्टि से हानूश का मूल्यांकन

हानूश की नाट्यकला

**इकाई – 3**

'बकरी' नाटक– सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

बकरी नाटक का उद्देश्य

बकरी नाटक की कथावस्तु

बकरी नाटक के पात्रों का चरित्र–चित्रण

बकरी नाटक की भाषा–शैली

बकरी नाटक के नामकरण की सार्थकता

**इकाई– 4**

आधुनिक काल :

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नः

आधुनिक काल की परिस्थितियाँ

भारतेन्दु युग

द्विवेदी युग

छायावाद

प्रगतिवाद

प्रयोगवाद

**नोटः पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तकों से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।**

**सहायक पुस्तकें :**


1. आधुनिक साहित्य– एक अध्ययन– मनीष ओझा
2. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच– सं.– नेमिचंद जैन
3. हिंदी नाटकः उद्भव और विकास– दशरथ ओझा
4. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास– बच्चन सिंह
5. आधुनिक हिंदी कविता– विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
6. आधुनिक हिंदी काव्य– डॉ0 सत्यनारायण सिंह


Mapping of CO with PO:

| | PO1 | PO2 | PO3 | PO4 | PO5 | PO6 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| CO1 | M | S | S | S | M | M |
| CO2 | M | S | S | M | M | M |

S= strong M= medium W= weak

**Hindi**

# हिंदी साहित्य का भक्तिकालः काव्य एवं काल अवलोकन (द्वितीय सेमेस्टर)

**Discipline Specific Course (DSC)**

**Course Code: C24HIE201T** | **External Marks : 70**
**60 Hrs (4 Hrs/Week)** | **Internal Marks : 30**
**Credit : 4** | **Total Marks: 100**
**Exam Time: 3 Hrs**

**Note**: The maximum time duration for attempting the paper will be of 3 hours. The examiner is required to set nine questions in all. The first question will be compulsory consisting of seven short questions covering the entire syllabus consisting of 2 marks each. In addition to that eight more questions will be set, two questions from each unit. The students shall be required to attempt five questions in all selecting one question from each unit in addition to compulsory Question No. 1. All questions shall carry equal marks.

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

1. हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल की जानकारी देना।
2. प्रमुख साहित्यकारों के काव्य के प्रति समझ उत्पन्न करना।

**कार्यक्रम प्रतिफल (Program Outcomes):**

1. साहित्य के विश्लेषण की पद्धति का ज्ञान होगा।
2. भक्तिकाल के साहित्य का ज्ञान होगा।
3. प्रमुख कवियों के काव्य का परिचय प्राप्त होगा।
4. भक्तिकाल के साहित्य के माध्यम से संत साहित्य को समझ पाएंगे।

**विषय वस्तुः**

## इकाई–1

**पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि– (प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्यः डॉ. पूरनचंद टंडन, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।)**

**कबीरदास**–प्रथम 30 दोहे
**जायसी**–सभी पद
**सूरदास**–भ्रमरगीत पदः संख्या 1 से 4, 6, 9, 12, गोकुल लीला पदः संख्या 1, 3, 6, 8, 10 (कुल 12 पद)

## इकाई–2

**तुलसीदास**–पुस्तक में संकलित (विनय पत्रिका एवं दोहावली) के अंश

**मीराबाई**– पद संख्या 1 से 5, 16, 17, 20, 23, 25–कुल 10 पद

**बिहारी**–श्रृंगारिक दोहे–1 से 25

**घनानंद**–प्रथम आठ कवित्त

## इकाई–3

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. कबीर की प्रासंगिकता
2. जायसी का विरहवर्णन

3. सूरदास का वात्सल्य वर्णन
4. श्रृंगारवर्णन
5. तुलसीदास का समन्यवाद
6. मीराबाई की प्रेमसाधना
7. बिहारी की बहुज्ञता
8. घनानंद का वियोगवर्णन
9. सभी कवियों का साहित्यिक परिचय

**इकाई–4**

**हिंदी साहित्य का भक्तिकाल**

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. भक्तिः उद्भव और विकास
2. भक्तिकाल की परिस्थितियाँ
3. संत काव्य की प्रवृत्तियाँ
4. सूफी काव्य की प्रवृत्तियाँ
5. राम काव्य की प्रवृत्तियाँ
6. कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियाँ
7. अष्टछाप और उसका महत्व
8. भक्तिकालः स्वर्णयुग

**नोटः पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तकों से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।**

**सहायक पुस्तकें :**


1. हिंदी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका– हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. भक्ति का उद्य और विकास– डॉ0 समीक्षा
4. तुलसी– सं. उदयभानु सिंह
5. मीराचरित– सौभाग्य कुँवरीराणावत
6. बिहारीरत्नाकार– श्रीजगन्नाथदास 'रत्नाकार'


Mapping of CO with PO:

| | PO1 | PO2 | PO3 | PO4 |
|---|---|---|---|---|
| CO1 | S | S | S | M |
| CO2 | S | M | M | S |

S= strong M= medium W= weak